मुख्यमंत्री ने जनजातीय गौरव दिवस पर स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के द्वितीय चरण के अन्तर्गत 25 लाख टैबलेट वितरण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया

जनपद लखनऊ, हरदोई, सीतापुर और उन्नाव के 300 शैक्षणिक संस्थानों के 50 हजार से अधिक छात्र–छात्राओं एवं प्रशिक्षणार्थियों को टैबलेट वितरित

प्रदेश सरकार युवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए उनके लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही, प्रदेश के युवा विकसित भारत व विकसित उ0प्र0 के लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में अपना योगदान दे रहे : मुख्यमंत्री

प्रदेश सरकार ने कोरोना महामारी के दौरान विद्यार्थियों का अध्ययन सुचारु रूप से जारी रखने के उद्देश्य से 02 करोड़ युवाओं को टैबलेट/स्मार्टफोन वितरण का संकल्प लिया

स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के प्रथम चरण में 60 लाख से अधिक छात्र–छात्राओं को टैबलेट एवं स्मार्टफोन वितरित किए जा चुके, अब द्वितीय चरण में 25 लाख युवाओं को टैबलेट उपलब्ध कराने का अभियान प्रारम्भ

प्रथम चरण में वितरित किए गए टैबलेट और स्मार्टफोन का विद्यार्थियों के जीवन पर पड़े प्रभाव का आकलन करने के लिए आई0आई0एम0 लखनऊ के माध्यम से सर्वेक्षण कराया गया, सर्वेक्षण के परिणाम बहुत अच्छे आए

प्रदेश सरकार ने इन्फोसिस के साथ किये गये समझौते के माध्यम से टैबलेट में 18 हजार से अधिक पाठ्यक्रमों की निःशुल्क लर्निंग सामग्री उपलब्ध कराई, योग से लेकर आर्टिफिशियल इण्टेलिजेन्स और डीप टेक जैसे आधुनिक विषयों की अध्ययन सामग्री इसमें मौजूद

टैबलेट में 'युवा साथी' ऐप के माध्यम से केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की युवाओं से सम्बन्धित योजनाओं की जानकारी उपलब्ध, टैबलेट के माध्यम से विद्यार्थी डिजिटल लाइब्रेरी से जुड़कर देश और दुनिया की जानकारी प्राप्त कर सकते

टैबलेट केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने, ज्ञान और कौशल बढ़ाने तथा राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का महत्वपूर्ण माध्यम

टाटा, सैमसंग, हिन्दुजा और एच0सी0एल0 जैसी वैश्विक कम्पनियां प्रदेश के युवाओं को फ्यूचर रेडी और इण्डस्ट्री रेडी वर्कफोर्स बनाने में सहयोग कर रही

110 एकड़ क्षेत्रफल में स्थापित उ0प्र0 स्टेट इन्स्टीट्यूट ऑफ फॉरेन्सिक साइंस में युवा साइंटिफिक पुलिसिंग और क्वाण्टम फॉरेन्सिक जैसे आधुनिक विषयों की शिक्षा प्राप्त कर रहे

युवा 01 जनवरी, 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी पात्र युवाओं को मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित करें

लखनऊ : 15 नवम्बर, 2026

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा राष्ट्र है। उत्तर प्रदेश की 56 से 60 प्रतिशत आबादी युवा है। युवावस्था वह अवस्था है, जिसमें व्यक्ति के मन में संकल्प, जज्बा और कुछ नया करने की क्षमता होती है। उसके लिए

दुनिया का कोई भी कार्य असम्भव नहीं होता। प्रदेश सरकार युवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए उनके लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। प्रदेश के युवा विकसित भारत व विकसित उत्तर प्रदेश के लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में अपना अमूल्य योगदान दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी आज यहां राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के द्वितीय चरण के अन्तर्गत 25 लाख टैबलेट वितरण कार्यक्रम का शुभारम्भ एवं जनपद लखनऊ, हरदोई, सीतापुर और उन्नाव के 300 शैक्षणिक संस्थानों के 50 हजार से अधिक छात्र–छात्राओं एवं प्रशिक्षणार्थियों को टैबलेट वितरित करने के उपरान्त आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत के सबसे बड़े आध्यात्मिक यूथ आइकॉन स्वामी विवेकानन्द के नाम पर स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना संचालित की जा रही है। स्वामी विवेकानन्द ने वैश्विक मंच पर भारत की सनातन परम्परा को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं। जब दुनिया में भारत के बारे में गलत धारणाएं प्रस्तुत की जा रही थीं, तब उन्होंने उन धारणाओं को चुनौती देते हुए युवाओं में आत्मगौरव और आत्मविश्वास का संचार किया। उन्होंने युवाओं को 'गर्व से कहो हम हिन्दू हैं' का संदेश दिया। इसी प्रेरणा के आधार पर युवाओं को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के इस अभियान को स्वामी विवेकानन्द के नाम पर समर्पित किया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना की शुरुआत 25 दिसम्बर, 2021 को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयन्ती के अवसर पर की गई थी। उस समय कोरोना जैसी महामारी पूरी दुनिया को प्रभावित कर रही थी। विद्यार्थियों की पढ़ाई और परीक्षाएं प्रभावित हो रही थीं तथा प्रत्येक विद्यार्थी के पास स्मार्टफोन अथवा टैबलेट उपलब्ध नहीं था। प्रदेश सरकार ने तय किया कि महामारी के बावजूद विद्यार्थियों की पढ़ाई और परीक्षा में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं आने दिया जाएगा। इसी उद्देश्य से दो करोड़ युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन वितरित करने का संकल्प लिया गया। योजना के प्रथम चरण में 60 लाख से अधिक छात्र–छात्राओं को टैबलेट एवं स्मार्टफोन वितरित किए जा चुके हैं। अब द्वितीय चरण में 25 लाख युवाओं को टैबलेट उपलब्ध कराने का अभियान प्रारम्भ किया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रथम चरण में वितरित किए गए टैबलेट और स्मार्टफोन का विद्यार्थियों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा, इसका आकलन करने के लिए आई0आई0एम0 लखनऊ के माध्यम से सर्वेक्षण कराया गया। वर्ष 2022 और 2023 में आंशिक रूप से ऑनलाइन परीक्षाओं में भी युवाओं ने इन उपकरणों का उपयोग किया। सर्वेक्षण में यह जानने का प्रयास किया गया कि टैबलेट एवं स्मार्टफोन से विद्यार्थियों को कितना लाभ हुआ और डिजिटल उद्यमिता को बढ़ावा देने में इनकी क्या भूमिका रही। सर्वेक्षण के परिणाम बहुत अच्छे आए हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि तकनीक युवाओं को शिक्षा के साथ–साथ उद्यमिता और रोजगार की नई सम्भावनाओं से भी जोड़ रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने इन्फोसिस के साथ किये गये समझौते के माध्यम से टैबलेट में 18 हजार से अधिक पाठ्यक्रमों की निःशुल्क लर्निंग सामग्री उपलब्ध कराई गई है। योग से लेकर आर्टिफिशियल इण्टेलिजेन्स और डीप टेक जैसे आधुनिक विषयों की अध्ययन सामग्री इसमें मौजूद है। गणित के कैलकुलस और इण्टीग्रेशन जैसे विषयों को भी विद्यार्थी इसके माध्यम से समझ सकते हैं। टैबलेट में 'युवा साथी' ऐप के माध्यम से केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की युवाओं से सम्बन्धित योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई है। इसमें छात्रवृत्ति, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, पी0एम0 इण्टर्नशिप, सी0एम0 इण्टर्नशिप, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान और पी0एम0 मुद्रा योजना सहित विभिन्न योजनाओं का विवरण उपलब्ध है।

टैबलेट के माध्यम से विद्यार्थी डिजिटल लाइब्रेरी से जुड़कर देश और दुनिया की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसका उपयोग पढ़ाई, ज्ञान अर्जित करने, नई चीजें सीखने और नवाचार के लिए किया जाना चाहिए। यह केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने, ज्ञान और कौशल बढ़ाने तथा राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है। यहां 25 करोड़ से अधिक आबादी निवास करती है। पहले इतनी बड़ी आबादी को चुनौती और बोझ के रूप में देखा जाता था, लेकिन प्रदेश सरकार ने इसे भारत के डेमोग्राफिक डिविडेण्ड और अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में स्वीकार किया। युवाओं को अवसर और प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश तेजी से विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था और युवाओं के सामने अनेक चुनौतियां थीं। आज प्रदेश में पूर्वदशम् एवं दशमोत्तर के 67 लाख युवाओं को छात्रवृत्ति दी जा रही है। विगत साढ़े 09 वर्षों में प्रदेश के साढ़े 09 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की गई है। 26 जनवरी तक यहां उपस्थित विद्यार्थियों की संख्या से दोगुने युवाओं को सरकारी नौकरी देने के लिए नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति लागू है। वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में पहचान का संकट था। उत्तर प्रदेश का नाम सुनकर लोग दूरी बना लेते थे, लेकिन आज प्रदेश के व्यक्ति, युवा, व्यापारी और बेटियों को देश–दुनिया में सम्मान मिलता है। प्रदेश में कानून का राज स्थापित हुआ है। अपराधियों और माफिया के विरुद्ध कार्रवाई हुई है तथा नकल माफिया पर प्रभावी नियन्त्रण लगाया गया है। उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य की श्रेणी से निकलकर देश की टॉप थ्री अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हुआ है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण के लिए डी0आर0डी0ओ0 को भूमि उपलब्ध कराई गई। सरकार ने शर्त रखी थी कि वहां रोजगार पाने वाले युवाओं का चयन उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों के कैम्पस से किया जाएगा। इस शर्त को स्वीकार किया गया। डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय को कैम्पस चयन का केन्द्र बनाया गया तथा 500 युवाओं का ब्रह्मोस मिसाइल एवं उससे

जुड़ी अन्य इकाइयों के लिए चयन हुआ। अमेठी में एके–203 राइफल का निर्माण हो रहा है तथा उसके पार्ट्स कानपुर में बन रहे हैं। यह परियोजनाएं प्रदेश के युवाओं की क्षमता और औद्योगिक विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का परिणाम हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण नहीं था। निवेशक उत्तर प्रदेश आने से हिचकिचाते थे। प्रदेश में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन प्रस्तावों के माध्यम से 65 लाख युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। प्रदेश में एम0एस0एम0ई0 की 96 लाख इकाइयां कार्य कर रही हैं, जिनके माध्यम से 03 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर मिले हैं।

वर्ष 2017 में एच0सी0एल0 की लखनऊ इकाई में केवल 100 लोग कार्यरत थे, जबकि आज 18 हजार युवा काम कर रहे हैं। टाटा, सैमसंग, हिन्दुजा और एच0सी0एल0 जैसी वैश्विक कम्पनियां प्रदेश के युवाओं को फ्यूचर रेडी और इण्डस्ट्री रेडी वर्कफोर्स बनाने में सहयोग कर रही हैं। प्रदेश सरकार प्रत्येक जनपद में सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लायमेण्ट एण्ड इण्डस्ट्रियल जोन का गठन करने जा रही है, जिससे युवाओं के कौशल विकास के लिए प्रत्येक जिले में बड़ा केन्द्र स्थापित किया जा सके। एस0टी0पी0आई0, सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स और जी0सी0सी0 सहित अनेक योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। बुन्देलखण्ड में 56 हजार एकड़ में इण्डस्ट्रियल सिटी विकसित करने की योजना है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज भारत में बनने वाले कुल मोबाइल फोन में 55 प्रतिशत का निर्माण उत्तर प्रदेश में हो रहा है, जबकि इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेन्ट के क्षेत्र में देश के कुल उत्पादन का 60 प्रतिशत उत्तर प्रदेश में निर्मित हो रहा है। प्रदेश में प्रतिवर्ष दो लाख से अधिक स्टेम ग्रेजुएट तैयार हो रहे हैं। स्टेम में साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग एवं मैथेमेटिक्स से जुड़े विषय शामिल हैं। उत्तर प्रदेश इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक और वोकेशनल एजुकेशन के क्षेत्र में देश के टॉप थ्री राज्यों में शामिल है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 110 एकड़ क्षेत्रफल में स्थापित उत्तर प्रदेश स्टेट इन्स्टीट्यूट ऑफ फॉरेन्सिक साइंस में युवा साइंटिफिक पुलिसिंग और क्वाण्टम फॉरेन्सिक जैसे आधुनिक विषयों की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यहां युवा डिग्री और डिप्लोमा कोर्स कर रहे हैं तथा नवाचार से जुड़ रहे हैं। युवाओं को जॉब सीकर के बजाय जॉब क्रिएटर बनाने के लिए 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' के माध्यम से ब्याज और गारण्टीमुक्त ऋण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। वर्ष 2017 से पूर्व प्रदेश में मात्र 120 स्टार्टअप थे, जबकि आज प्रदेश में 25 हजार से अधिक स्टार्टअप कार्य कर रहे हैं। इन प्रयासों से युवाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता के नए अवसर मिल रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 22 सितम्बर को शिक्षा विभाग के 3,568 अभ्यर्थी, 28 सितम्बर को पंचायतीराज विभाग के 1,375 अभ्यर्थी, 08 अक्टूबर को पुलिस विभाग के 470 कुशल खिलाड़ियों, 05 नवम्बर को 28 फॉरेन्सिक साइंटिस्ट और 06 नवम्बर को

4,543 सब इंस्पेक्टरों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। 11 नवम्बर को राजस्व विभाग के 1,146 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। लगभग 08 हजार लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाने हैं। 32 हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है व सत्यापन की कार्रवाई चल रही है। 42 हजार होमगार्डों की नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है, जिन्हें अगले दस दिनों के अन्दर नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग तथा उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से भी बड़े पैमाने पर नियुक्ति पत्र वितरित किए जाने हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान सरकार ने पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से युवाओं को उनकी योग्यता के आधार पर नौकरी देने का कार्य किया है। पहले नौकरी की प्रक्रिया में खर्ची और पर्ची का बोलबाला था। परीक्षा कोई देता था और नियुक्ति किसी अन्य को मिल जाती थी। वर्तमान सरकार ने अनियमितता वाली दो नियुक्तियों को निरस्त किया। अब युवाओं को पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ नियुक्तियां दी जा रही हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 15 नवम्बर की तिथि अत्यन्त महत्वपूर्ण है। मात्र 25 वर्ष की आयु में भगवान बिरसा मुण्डा ने ब्रिटिश हुकूमत की चूलें हिलाकर भारत की स्वाधीनता के संघर्ष को नई दिशा देने का कार्य किया था। उन्होंने मातृभूमि, भारत के सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए संघर्ष किया। आज हम सभी स्वाधीनता के इस युग में नए भारत के निर्माण के संकल्प के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन को आगे बढ़ा रहे हैं।

भारत का इतिहास युवाओं के शौर्य, उत्साह और पराक्रम से भरा हुआ है। भगवान श्रीराम, भगवान श्रीकृष्ण, महात्मा बुद्ध, आदि शंकराचार्य, वीर अभिमन्यु, गुरु गोबिन्द सिंह, महारानी लक्ष्मीबाई, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, काकोरी के क्रान्तिकारी पं0 राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खान, चन्द्रशेखर आजाद, विनायक दामोदर सावरकर, महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी महाराज जैसे महान व्यक्तित्वों ने युवावस्था में ही अपने संकल्प और पराक्रम से देश और समाज को नई दिशा दी।

मुख्यमंत्री जी ने युवाओं को उनकी शक्ति का एहसास कराते हुए कहा कि उनके भीतर बजरंगबली जैसी ताकत और सामर्थ्य है। जैसे बजरंगबली को उनकी शक्ति का एहसास कराना पड़ा था, वैसे ही आज युवाओं को भी अपनी क्षमता और सामर्थ्य को पहचानने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम ने युवावस्था में ही यह संकल्प लिया था 'निशिचर हीन करउँ महि, भुज उठाइ पन कीन्ह'। उन्होंने दण्डकारण्य में भारत की सनातन परम्परा से खिलवाड़ करने वाली राक्षसी शक्तियों से धरती को मुक्त कराने का संकल्प पूर्ण किया। जब संकल्प सत्संकल्प होता है, तो उसे पूरा करने का मार्ग भी निकलता है। किसी ने कल्पना नहीं की थी कि समुद्र पर सेतुबन्ध का निर्माण होगा, लेकिन संकल्प और सामर्थ्य से यह सम्भव हुआ।

मुख्यमंत्री जी ने योगेश्वर श्रीकृष्ण के संदेश 'परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृ ताम्' का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने सज्जनों के संरक्षण और दुष्ट प्रवृत्तियों के विनाश के माध्यम से समाज को अच्छे कर्म करने का संदेश दिया। महात्मा बुद्ध भी युवावस्था में ही संन्यासी हो गए थे। उन्होंने दुनिया को 'अप्प दीपो भव' का संदेश दिया। भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश उत्तर प्रदेश के सारनाथ में दिया तथा सबसे अधिक चातुर्मास श्रावस्ती में व्यतीत किए। आदि शंकराचार्य मात्र 32 वर्ष की आयु तक जीवित रहे। उन्होंने देश के चारों कोनों में चार पीठों की स्थापना कर भारत की सनातन परम्परा को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं व सांस्कृतिक रूप से पूरे भारत को जोड़ने का कार्य किया।

मुख्यमंत्री जी ने वीर अभिमन्यु का उल्लेख करते हुए कहा कि मात्र 16 वर्ष की आयु में उन्होंने महाभारत के चक्रव्यूह को भेदने का कार्य किया था। गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज के चारों साहिबजादों ने भारत की रक्षा के लिए बलिदान दिया। महारानी लक्ष्मीबाई ने मात्र 26 वर्ष की आयु में 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष किया। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने युवावस्था में ही देश की आजादी के लिए यह आह्वान किया था कि 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा'। भारत की आजादी का एक महत्वपूर्ण अध्याय लखनऊ के काकोरी में लिखा गया। पं0 राम प्रसाद बिस्मिल, ठा0 रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खान और चन्द्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारियों ने काकोरी ट्रेन एक्शन के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी।

मुख्यमंत्री जी ने पं0 राम प्रसाद बिस्मिल की अंतिम इच्छा का उल्लेख करते हुए कहा कि गोरखपुर जेल में फांसी से पूर्व उन्होंने भारत भूमि में बार–बार जन्म लेने और देश की सेवा करते हुए मृत्यु प्राप्त करने की कामना व्यक्त की थी 'हे ईश्वर इस भारतवर्ष में सौ बार मेरा जन्म हो, कारण सदा ही मृत्यु का देशोपकारक कर्म हो' विनायक दामोदर सावरकर को भारत की आजादी के लिए 28 वर्ष की आयु में दो आजीवन कारावास की सजा दी गई। महाराणा प्रताप ने 27 वर्ष की आयु में अकबर के विरुद्ध पहला युद्ध लड़ा। छत्रपति शिवाजी महाराज ने भी युवावस्था में अपने पराक्रम से इतिहास रचा। इन सभी महान व्यक्तित्वों का जीवन आज के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

मुख्यमंत्री जी ने युवाओं से आह्वान किया कि वह 01 जनवरी, 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी पात्र युवाओं को मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित करें। भारत के संविधान ने प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदान का अधिकार दिया है। मतदाता बनना लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अभियान है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार का संकल्प प्रतिभाशाली युवाओं को प्रगति के पथ पर निरन्तर अग्रसर करना है। यदि युवा प्रदेश और देश को आगे बढ़ाने के लिए कुछ करना चाहता है, तो सरकार उसके साथ खड़ी है। सरकार का खजाना

युवाओं के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए खुला हुआ है। प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ सभी वर्गों के विद्यार्थियों को बिना किसी भेदभाव के दिया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं का भविष्य उज्ज्वल बनाने के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजना के माध्यम से प्रदेश सरकार युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने का कार्य कर रही है। युवा नई तकनीक को अपनाकर स्वयं को परमार्जित करते हुए देश व प्रदेश के विकास में अपना सक्रिय योगदान दें। युवाओं को सकारात्मक सोच रखने, जाति और धर्म से ऊपर उठकर प्रदेश को आगे बढ़ाने तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करने की आवश्यकता है।

औद्योगिक विकास मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी' ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में विगत साढ़े 09 वर्षों में उत्तर प्रदेश की पहचान और सम्भावनाओं में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश की युवा शक्ति को भविष्य की तकनीक से जोड़ने और उन्हें विकसित भारत के अभियान का सहभागी बनाने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने स्वामी विवेकानन्द के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि 'उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए'। किसी भी प्रदेश की वास्तविक प्रगति केवल सड़कों और बड़े उद्योगों तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि युवाओं के लिए कितने अवसर उत्पन्न हो रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान मिशन रोजगार पर आधारित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गयी।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेन्द्र उपाध्याय, इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री सुनील कुमार शर्मा, परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर सिंह, संसदीय कार्य तथा औद्योगिक विकास राज्यमंत्री श्री जसवंत सिंह सैनी, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती रजनी तिवारी, विधान परिषद सदस्य श्री मुकेश शर्मा, श्री राम चन्द्र प्रधान, श्री उमेश द्विवेदी एवं श्री लालजी प्रसाद निर्मल, लखनऊ की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल, विधायक डॉ0 नीरज बोरा, श्रीमती जय देवी, श्री अमरेश कुमार एवं श्री योगेश शुक्ला सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

————————

PN-CM-Tablets Distribution Programme-15 November, 2026